

संक्षिप्त

राष्ट्रीय कार्यशाला 12 से

अजमेर, (कासं)। नरेंद्र मोदी विचार मंच एवं उसके समस्त अनुसंगिक संगठनों की राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण कार्यशाला 12 से 14 मई तक रायपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित होगी। कार्यशाला में प्रदेश से 7 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा। राष्ट्रीय प्रशिक्षण वर्ग में मंच की सभी शाखाओं के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य भाग लेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य देशभर के कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओंए सामाजिक नीतियों और आर्थिक विकास से जुड़े विषयों की जानकारी देकर उन्हें जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय संयोजक रविभाई चाणव्य होंगे। वक्ता विचार मंच की नीति, दृष्टिकोण और राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका पर मार्गदर्शन देंगे। राजस्थान से रवाना हुए दल में लिलियन ग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, रूपश्री जैन प्रदेश महामंत्री, सुनीता जैन प्रदेश उपाध्यक्ष और ऋचा जैन प्रमुख हैं। इनके साथ अन्य अनुभवी सदस्य भी कार्यशाला में भाग लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष लिलियन ग्रेस ने कहा कि कार्यशाला न केवल संगठन के विस्तार के लिए बल्कि जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज तक पहुंचाने के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। कार्यशाला के माध्यम से कार्यकर्ताओं को नीतियों की गहराई से समझ और स्थानीय स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के तौर.तरीके बताए जाएंगे।

नृसिंह भगवान के जन्म के दर्शन

कोटा, (निसं)। शुद्धाईत प्रथम पीठ श्री बड़े मथुराधीन मंदिर पाटनपोट श्री रविवर को भगवान नृसिंह प्राकट्य उत्सव मनाया गया। मंगला दर्शन के बाद प्रभु को चंदन, आवला, फुलल से अभ्यंग कराया गया। वहीं संध्या आरती के बाद चौक में शीतल जल का छिड़काव किया गया। राजभोग से संध्या आरती तक जल का थाल रखा गया। जिसमें गंधु जलविहार के लिए पधारे। नृसिंह भगवान का जन्म सूर्यास्त के पश्चात् एवं रात्रि के पूर्व हुआ था। अत: इस भाव से संध्या आरती दर्शन के बाद नरसिंह भगवान के जन्म के दर्शन कराए गए। जन्म के दर्शन में प्रभु के सम्मुख शालिग्रामजी को पंचामृत स्नान करया गया। नरसिंह भगवान उग्र अवतार हैं। उनके क्रोध का शमन करने के भाव से शयन में शीतल सामग्री धराई गई। प्रथम पीठ युवराज मिशन कुमार बाबा ने बताया कि पुष्टिमार्ग में चार ही अवतारों को मान्यता दी गई है। श्रीराम, श्रीकृष्ण, नरसिंह भगवान और वामन अवतार इन चार अवतारों को मुख्य माना गया है। यह चारों अवतार प्रभु ने निस्साधन भक्तों पर कृपा करने के उद्देश्य से लिए थे। उनकी लीला को पुष्टिलीला माना गया है।

कोटा के युवा फिल्म मेकर की फिल्म को मिला अवॉर्ड

कोटा, (निसं)। सिद्धार्थ चतुर्वेदी द्वारा लिखित एवं निर्देशित लघु फिल्म 'अज्ञाब' को पश्चिम बंगाल अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सम्मानित किया गया। सिद्धार्थ चतुर्वेदी को 'सर्वश्रेष्ठ निर्देशक' तथा उनके द्वारा ही लिखित लघु फिल्म को 'सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म' के पुरस्कार से नवाजा गया। सिद्धार्थ चतुर्वेदी, जो कि प्रतापनगर दादाबाड़ी, कोटा निवासी हैं, उनकी फिल्म 'अज्ञाब' ने भारतीय समाज में बढते छेड़छाड़ और बलात्कार के मामलेत पर गहरी टिप्पणी की है तथा महिला सुरक्षा की आवश्यकताओं को उजागर किया है। फिल्म में सितेमेट्रोप्राफी और संपादन का कार्य अक्षय शर्मा ने किया, जबकि संगीत निर्देशन का जिम्मा अभिमन्यु सिंह ने संभाला। साथ ही कलाकार शेली शर्मा, रौनक महेश्वरी, अक्षिता पंचोली, देवेंद्र खटाना, पंकज सेन, केशव सैनी और शरद गुप्ता का भी अहम योगदान रहा।

चुनाव में दुर्गेश शर्मा अध्यक्ष बने

कोटा, (निसं)। न्यू कोटा प्रॉपर्टी डीलर एसोसिएशन के चुनाव रविवार को संपन्न हुए। समिति के प्रवक्ता शमशेर परमानो ने बताया कि चुनावों में सर्वसम्मति से अध्यक्ष दुर्गेश शर्मा, महासचिव मणिराज सिंह गौड़ एवं कोषाध्यक्ष पुष्प कुमार जैन को चुना गया, इस अवसर पर मौजूद नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी एवं समाजसेवी विवाशंकर गौतम ने नवनि्युक्त पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर बधाई दी। चुनाव की प्रक्रिया मुकेश जोशी, दिलीप दाधीच एवं प्रकाश योगी के सानिध्य में एडवोकेट प्रमोद राठौर द्वारा संपन्न करवाई गई।

उत्कृष्ट योगदान देने वाली 144 प्रतिभाओं को सम्मानित किया



क्षत्रिय प्रतिभा विकास एवं शोध संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सम्बोधित किया।

उठाए हैं। भारत ने आतंक की चुनौतियों का सामना करते हुए उनका जवाब दृढ़ता और रणनीतिक रूप से दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि आर्थिक और सामाजिक रूप से हर वर्ग को मुख्यधारा में लाया जाए। सरकार के निर्णयों की प्रभावशीलता को देश और दुनिया ने देखा है। आज भारत एक ऐसे राष्ट्र के

रूप में स्थापित हो चुका है जिसे चुनौती मिलने पर मुँहतोड़ उत्तर देने में पूरी तरह सक्षम है।

मैं स्वयं एक सैनिक की बेटी हूँ। मुझे सेना के बलिदान और समर्पण का गहरा अनुभव है। सरकार में रहकर मुझे देश सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आपमें से कई परिवार के सदस्य सेना में है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को

स्वयं की उन्नति के साथ दूसरों को भी ऊपर उठाने का विचार और भावना रखनी चाहिए। समाज तभी सशक्त होगा जब उसकी प्रत्येक इकाई सशक्त होगी। उन्होंने कहा कि सम्मानित प्रतिभाओं में 95 महिलाएं हैं। यह सराहनीय है। महिलाओं का सम्मान अत्यंत आवश्यक है। समाज सदैव मातृशक्ति का ऋणी रहेगा।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859 वीं जयंती पर प्रचार सामग्री का विमोचन

अजमेर । सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859वीं जयंती समारोह के 10 दिवसीय कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार करने हेतु स्वामी कॉम्पलेक्स स्थित रसोई बैकवेट हॉल में समारोह समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक की जानकारी देते समन्वयक संपत सांखला ने बताया कि इस जयंती समारोह के अन्तर्गत 10 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें प्रमुख रूप से खेल कूद स्पर्दाएं जिसमें हॉकी, टेनिस, महिला क्रिकेट एवं मैराथन दौड़ के आयोजन के साथ-साथ संगोष्ठी सहित मुख्य कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस समारोह के अन्तर्गत राइफल शूटिंग एवं रंग भरो प्रतियोगिता के आयोजन पूर्व में सम्पन्न किए जा चुके है।

समिति के कंवल प्रकाश किशनानी के अनुसार 10 दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य समारोह जयन्ती ज्येष्ठ कृष्णा द्वादश 24 मई 2025 को तारागढ तलहटी स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान

स्मारक पर आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, वीर सिरोंमणी सम्राट पृथ्वीराज चौहान को श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ विभिन्न विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। खेलकूद स्पर्दाओं के संयोजक विनोी लोहिया के अनुसार आगामी 18 से 20 मई तक कुन्दन नगर स्थित राजपूत छात्रावास के हिलव्यू टेनिस अकेडमी मैदान पर टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके संयोजक भरत सिंह एवं राहुल सिंह चौहान होंगे, हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेल स्टेडियम में 21 से 23 मई 2025 तक आयोजन किया जाएगा। इसके संयोजक अनन्तराष्ट्रीय हॉकी प्रशिक्षक व भारतीय खेल प्राधिकरण के नन्द कुमार शर्मा होंगे। इस श्रृंखला के अन्तर्गत मैराथन दौड़ 23 मई को डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्कल (रोडवेज बस स्टेण्ड) से प्रारम्भ होकर एलिवेटेड रोड से पुनः अम्बेडकर सर्कल पहुँगी, जिसके संयोजक विनोी लोहिया, अर्जुन

नलिया, मुकेश खींची, किशोर मरोठियां, चन्द्रभान प्रजापत होंगे। महिला क्रिकेट प्रतियोगिता पुष्कर रोड रोड स्थित एक ट्रफ पर 19 मई को आयोजित की जाएगी। जिसके संयोजक योगिता वर्मा, सुमन साहू, रेखा गोयल, विजय लक्ष्मी सैनी होंगे। सहयोग में शैलेन्द्र सिंह परमार, रामस्वरूप कुडी, अनिल आसानी, दुर्गा प्रसाद शर्मा रहेंगे। संगोष्ठी का आयोजन नया बाजार स्थित अजमेर संडालय पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एमडीएस यूनिवर्सिटी में एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसके संयोजक डॉ. अरविन्द पारीक व डॉ. राजू शर्मा रहेंगे। इस बैठक में 10 दिवसीय समारोह के प्रचार-प्रसार समटी का विमोचन भी किया गया। बैठक में महेश शर्मा, आर.एस. दाधीच, नरेन्द्र सिंह चांदावत, नरेन्द्र सिंह चौहान, गजेन्द्र सिंह चौहान, रमेश चन्द, शिव प्रसाद गौतम, दिलीप पारीक, रमेश एच लालवानी, अनुज शर्मा, आदि मौजूद रहे।

‘जीवन में सेवा का भाव जरूरी’

मेड़ता सिटी 11 मई: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मेड़ता के जिला संघचालक समाजसेवी व भामाशाह श्याम सुंदर बिडला का 71 वां जन्म दिन नवल सागर स्थित बस्ती में सेवा भारती समिति मेड़ता के श्री महादेव बाल संस्कार केन्द्र में सादगी के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। इसके पश्चात भारतीय परंपरा अनुसार आपका तिलक लगाकर व दुपट्टा ओढ़ कर सम्मान किया गया । बिडला ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सेवा का भाव होना अति आवश्यक है । भगवान ने हमें मनुष्य रूप में जन्म दिया है तो हम अपने जीवन को दूसरों की सेवा में लगाना चाहिए। अपने मन में नर सेवा नारायण सेवा का भाव रखना चाहिए। सेवा भारती के प्रांत स्वावलंबन आयाम प्रमुख लीलाधर सोनी ने श्याम सुंदर जी का परिचय कराया और उनके जीवन के बारे में बताया। बिरला जी सामाजिक कार्यों में अटगणी रहते हैं। हमेशा गरीब ,असहाय लोगों की सेवा में लगे रहते हैं। आपके जीवन के आज 70 वर्ष पूरे हुए हैं तो आपने इस अवसर पर 70 परिवारों को खाद्य सामग्री के पैकेट वितरित किये । कार्यक्रम में सेवा भारती के जिला मंत्री कैलाश पुजारी सामाजिक रमेश सोनी , कैलाश पुरी ,इंदरचंद वैष्णव व संस्कार केन्द्र संचालिका अंकिता पुरी समेत सेवा भारती के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिविल डिफेंस की माॅक ड्रिल

अजमेर, 11 मई (कासं)। भारत द्वारा आतंक के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत–पाकिस्तान सीमा पर बने तनाव के लिए लोगों को सुरक्षा और बचाव के प्रति जागरूकता को लेकर रविवार को सिविल डिफेंस टीम ने रेलवे स्टेशन पर माॅक ड्रिल कर एक आवातकालीन स्थिति से निपटने का अभ्यास लोगों को गुर सिखाया। अभ्यास में रेलवे स्टेशन पर मौजूद जीआरपी थाना पुलिस, टैक्सि चालकों और यात्रियों को आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी साझा की। आपातस्थिति में संयम बरते लोग:

माॅक ड्रिल के दौरान यह दिखाया गया कि किसी संभावित हमले,विस्फोट या अफरा-तफरी की स्थिति में किस तरह से तेजी और संयम से कार्य करते हुए जान-माल को हानि से बचा जा सकता है। सिविल डिफेंस की टीम ने स्टेशन परिसर में मौजूद वाहन चालकों को बताया कि अगर अचानक कोई आपदा आती है, जैसे ब्लास्ट, गैस रिसाव या भगदड़ की स्थिति में उन्हें यात्रियों को कैसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना चाहिए और स्वयं को कैसे सुरक्षित रखना है।

मृत्यु भोज पर रोक लगाने की मांग

अजमेर, (कासं)। अब्बासी समाज केलफेयर एसोसिएशन का प्रांतीय अधिवेशन रविवार को अजमेर में आयोजित हुआ, जिसमें समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के साथ ही मृत्यु भोज को लेकर सभी को जागरूक कर रोक लगाने की मांग के साथ ही जागरूकता के लिए समाज में जनजागृति अभियान चलाया जाएगा। सभी समाज के कमजोर वर्ग के लोगों का आर्थिक मदद उपलब्ध कराने के लिए जकात फंड बनाया जाएगा।

समाज के हाजी शकील अब्बासी ने बताया कि सभी प्रांतीय पदाधिकारी बैठक में मौजूद रहे और सभी ने इस बात पर भी जोर दिया की समाज में शिक्षा की चेतना की अत्यंत आवश्यकता है, इसके लिए समाज के बच्चों को पढ़े के लिए सभी को अपनी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि हमारे बच्चे पढ़ लिखकर उमाय और देश की तत्ककी में अपनी भागीदारी कर सकें इसके लिए उन्होंने कहा कि आधी रोटी खाकर अपने बच्चों को अवश्य शिक्षा दिलए और जहां समाज की जरूरत होगी।

सार-समाचार ट्रांसपोर्ट नगर स्थित नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव



मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। किशनगढ ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (थोक सेक्शन) व केर बालाजी विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में तोलामाल स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में नवनिर्मित बालाजी मंदिर प्रांगण पर तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष मदनलाल नेहरा ने बताया की प्रथम दिवस अखंड रामायण पाठ, द्वितीय दिवस अखंड रामायण पाठ का समापन हुआ। बाद नवनिर्मित मंदिर में पूजा अर्चना कर मंत्रोच्चार के विच मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई।मूर्तियों को गंगाजल, पंचामृत आदि विभिन्न प्रकार के सुगंधित द्रव्यों से स्नान करवाकर यथास्थान विराजित कराया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, राजस्व मंत्री विजय सिंह चौधरी, विधायक डॉ विकास चौधरी, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, सुरेश टाक, किशनगढ मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन, पूर्व जिला प्रमुख रामस्वरूप चौधरी सहित विभिन्न समाज व संगठनो के पदाधिकारी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री चौधरी ने कहा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन द्वारा मंदिर का निर्माण काराकर पुनीत कार्य में भागीदारी सुनिश्चित की है। मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष जैन ने कहा कि मार्बल व्यापारी एवं ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों का चोली दामन का साथ है, सभी आपस में मिलकर व्यापार हित में कंघे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से परिणाम सकारात्मक होंगे। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष मदन नेहरा सचिव दिनेश शर्मा सहित पदाधिकारियों ने आंगनवतुक अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन किया।

‘भ्रामक जानकारीयों से बचें’

अजमेर, (कासं)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी रविवार को अजमेर दौर पर रहीं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में भारत पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव और सीजफायर उल्लंघन को लेकर अहम बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत सरकार और सेना को और से समय-समय पर स्थिति की जानकारी दी जा रही है, ऐसे में आमजन को किसी भी अफवाह या भ्रामक जानकारी में नहीं आना चाहिए। दीया कुमारी ने कहा कि सीमाओं पर हालत पूरी तरह नियंत्रण में हैं और राजस्थान की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। राज्य सरकार केंद्र के संपर्क में है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद कराग जवाब दिया है। सेना को पूरी छूट दी गई है और देश की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। जब उनसे राजस्थान की तैयारियों के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि राजस्थान सीमावर्ती राज्य है और हमारी सेना के साथ प्रशासन भी हर हााकत से निपटने को तत्पर है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से सतर्क रहें और सिर्फ सरकारी स्रोतों से प्राप्त सूचना पर ही विश्वास करें।

समिति के चुनाव 25 मई को

अजमेर, (कासं)। शास्त्री नगर विस्तार विकास समिति ने रविवार को आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 25 मई को समिति के चुनाव कराया जाएगा। समिति के मीडिया प्रभारी एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ.एसडी मिश्रा ने बताया कि समिति का कार्य काल दो वर्ष का होता है जोकि पूरा हो गया है, इसके बाद चुनाव कराना अनिवार्य होता है। चुनाव को लेकर रविवार को समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह राठौड़ एवं सचिव बीएल बामनिया, दुर्गा सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष ओपी त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष शालिनी गहलोत सहित अन्य पदाधिकारियों ने सर्वसम्मिति निर्णय से लिया कि आगामी 25 मई को सुबह 11:30 बजे समिति के अन्तकाल्य में चुनाव से पूर्व आमसभा होगी, आम सभा में सर्वसम्मिति नहीं बनी तो आमसभा के बाद चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी चंद्रभान सिंह राठौड़ एवं महायक चुनाव अधिकारी विनय शर्मा, पीसी मंडावरिया के नेतृत्व में चुनाव कराए जाएंगे। डॉ. मिश्रा ने बताया कि मतदाता सूची में नाम होगा जो ही सदस्य चुनाव में भाग ले सकेगा एवं मतदान कर पाएगा। सूची में नाम नहीं होने पर वो चुनाव प्रक्रिया में भाग नहीं ले पाएगा। आवश्यक।

कार्यकारिणी की घोषणा

भीलवाड़ा । आज अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा गुल मंडी कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सीताराम जी त्रिपाठी ने की। इस दौरान जिला अध्यक्ष कैलाश, जी सांखला(जीनगर) द्वारा नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें निम्न दायित्व सौंप गए: जिला मंत्री अनिल सोनी, जिला अखाड़ा प्रमुख प्रकाश धोबी शहर अध्यक्ष: लोकेश वैजपुरा (मोरासा), शहर मंत्री दिनेश सेन, शहर उपाध्यक्ष: लक्ष्मण कसारा, शहर उपाध्यक्ष: भानुजी बेरवा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष: यश चतुर्वेदी, कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने भारत माता की जय हिंदुस्तान जिंदाबाद कार्यक्रम मुर्दाबाद के नारे लगाए और भारतीय सेना सम्मान में उद्धोषण लगे वहीं, शहर में पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में निकल रहे मार्च पास्ट पर पुष्पवर्षा कर जवानों की हौसला अफजाई भी की गई।

श्री बैजनाथ जी का जीवन संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा है : प्रो आनंद भालेराव

अजमेर । राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ द्वारा प्रतिष्ठित संत एवं समाजसेवी पद्मश्री श्री बैजनाथ जी महाराज के सम्मान में आयोजित विशेष समारोह रविवार को श्रद्धानाथ जी महाराज आश्रम, लक्ष्मणगढ़ में श्रद्धा, भक्ति और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने विश्वविद्यालय की 'नीति एवं स्थापित परंपरा' के अनुसार पद्मश्री श्री बैजनाथ जी महाराज को 'जीवन साधना गौरव पुरस्कार' से सम्मानित किया। उन्हें सम्मान स्वरूप शॉल, स्मृति चिन्ह, भगवान श्री गणेश की प्रतिमा, पचास हजार रुपये का चेक, तथा विशेष सम्मान-पत्र भेंट किया गया।

श्री बैजनाथ जी महाराज, श्रद्धानाथ जी महाराज आश्रम के पीठाधीश्वर के रूप में सनातन धर्म, वैदिक ज्ञान एवं योग के प्रचार-प्रसार में गिगत कई दशकों से संलग्न हैं। आपने श्रद्धा संस्कृत विद्यापीठ एवं श्रद्धा योग शिक्षण संस्थान की स्थापना कर हजारों विद्यार्थियों को शास्त्र, योग एवं भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ा है। इसके साथ ही आप द्वारा स्थापित श्री गोरक्ष मंदिर, श्रद्धा स्मृति मंदिर, साधना कक्ष, प्रज्ञान मंदिर (पुस्तकालय) जैसे अनेक धार्मिक केंद्र समाज में आध्यात्मिक जागरण का कार्य कर रहे हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने इस अवसर पर कहा कि 'श्री बैजनाथ जी ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया, समाज ऐसे ही व्यक्तित्वों को सदैव स्मरण रखता है। प्रो. भालेराव ने आगे बताया कि विश्वविद्यालय की परंपरा से उन्होंने जो मिसाल कायम की है, वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। प्रो. भालेराव ने बताया कि 'जिन महापुरुषों ने अपने जीवन को तुच्छ समझते